विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा-5 **तिथि-28/05/2020**

विषय-संस्कृत

सुप्रभात बच्चों,

संस्कृत में पाठ तृतीय 'व्यंजन वर्ण 'के बारे में पढ़ चुके हैं।आज व्यंजन वर्ण के प्रकार के बारे में समझेंगे ।

तृतीयः पाठः

व्यंजन वर्ण

व्यंजन वर्णो की संख्या 33 मानी गई हैं ।व्यंजनों का मूल रूप से सर्वर रहित होता है। परन्तु व्यंजन तीन प्रकार के होते हैं।

(क) हलन्त व्यंजन (ख) स्वर युक्त व्यंजन (ग) संयुक्त व्यंजन

*हलन्त व्यंजन - जब व्यंजनों का प्रयोग बिना स्वर के होता है, तब वे हलन्त व्यंजन कहे जाते हैं।

तथा(जैसे)-**क्,ख्,ग्, घ्,**

*स्वर युक्त व्यंजन – जब स्वर के साथ व्यंजन का प्रयोग होता है, तब वह ' स्वर- युक्त व्यंजन' कहा जाता है।

यथा-

क्+अ= क

क्+आ= का

क्+इ=कि

क्+ई=की

क्+उ=कु

क्+ऊ=कू

*संयुक्त व्यंजन - दो व्यंजनों के जुड़ने से संयुक्त व्यंजन का निर्माण होता है।

यथा- क्+ष= क्ष

द्+व=द्रव

प्+र=प्र

द्+ध=द्ध

त्+र=त्र

ज्+ञ=ज्ञ

श्+र=श्र

1. <u>प्रश्नो के उत्तर लिखे-</u>

<u>(क)</u> हलन्त व्यंजन किसे कहते हैं? उदाहरण लिखे।

<u>(ख)</u> स्वर युक्त व्यंजन किसे कहते हैं? उदाहरण लिखे।

<u>(ग)</u> संयुक्त व्यंजन किसे कहते है? उदाहरण लिखे।

2.रिक्तस्थानानि पूरयत-

(i) क्+आ=.....

(ii)क्+इ=.....

(iii)क्+ई=.....

(iv) द्+व=.....

(v)प्+र=.....

(vi) द्+ध=.....

SUBJECT TEACHER-SUMITA KUMARI